22 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी लगातार अनु० रहा है। वकील प्रार्थी को आवाज दिलायी गयी। आज भी वकील प्रार्थी या स्वयं प्रार्थी उप० नहीं है। अतः प्रार्थना पत्र अवमानना अदम हाजरी / पैरवी में खारिज किया जाता है। प्रकरण दर्ज रजिस्टर से कम किया जाकर दफ्तर दाखिल हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Sanjay Kumar Gora
Date: 2022.06.24 17:00:43 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner